आईआईएम रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह में 595 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

समाज के प्रति प्रतिबद्धता बदलाव के लिए अवसर देती है : प्रभा नरसिम्हन

कोलगेट पामोलिव इंडिया लिमिटेड की प्रबंध निदेशक प्रभा नरसिम्हन हुईं शामिल

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर का 14वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया। इसमें एमबीए, ई-एमबीए, एफपीएम और ईएफपीएम कार्यक्रमों से स्नातक करने वाले 595 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि कोलगेट पामोलिव इंडिया लिमिटेड की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभा नरसिम्हन थीं। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का दिन केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि आपके भीतर छिपी संभावनाओं की पहचान का भी दिन है। नेतृत्व का सार उस संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहां लोग योगदान देने के लिए प्रेरित हों, स्वयं को मूल्यवान महसूस करें और एक साझा दृष्टिकोण में विश्वास रखें। समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें यह अवसर देती है कि हम अपने पद, प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग कर वास्तविक बदलाव ला सकें। भविष्य अब आपके हाथ में है और एक टिकाऊ विश्व के निर्माण की ज़िम्मेदारी भी आप पर ही है।

9 शोधार्थियों को डॉक्टरेट की उपाधियां प्रदान की गईं
विभिन्न श्रेणियों में 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक

ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ नेतृत्व करें : डालमिया

आईआईएम रायपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने कहा कि आपका यह सफर केवल शैक्षणिक नहीं रहा। यह एक गहन व्यक्तिगत विकास का रूपांतरणकारी अनुभव रहा है। जैसे ही आप आगे बढ़ते हैं, आप इस संस्थान की उस विरासत को अपने साथ लेकर जा रहे हैं जो नवाचार, नैतिक नेतृत्व और वैश्विक सहयोग की बुनियाद पर टिकी है। यहां मिली शिक्षा ने आपको न केवल हालात के अनुकूल होने, बल्कि नेतृत्व करने और नवाचार करने की क्षमता भी दी है।

परिसर विस्तार के लिए 250 करोड़ की सीएसआर राशि मिली

दीक्षांत समारोह में जानकारी दी गई कि हाल के वर्षों में आईआईएम रायपुर की वित्तीय नींव और मजबूत हुई है। शैक्षणिक प्राप्तियां 2022 में 58 करोड़ थी जो बढ़कर 2025 में 102 करोड़ हो गई हैं। नकद और निवेश 289 करोड़ तक पहुंच गए हैं। दूसरे चरण के परिसर विस्तार ने 101 करोड़ की सीएसआर प्रतिबद्धता हासिल की है, जो संस्थान के बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण में एक नया अध्याय है।

दीक्षांत समारोह में 9 डॉक्टोरल शोधार्थियों को भी उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें से 7 एफपीएम कार्यक्रम से और 2 कार्यरत पेशेवरों के लिए विशेष रूप से तैयार ईएफपीएम कार्यक्रम से थे। विभिन्न श्रेणियों में 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिए गए।

बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स तैयार करने फोकस : प्रो. कांकाणी

संस्थान की प्रगति का विवरण प्रस्तुत करते हुए आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार कांकाणी ने कहा कि आज का दिन छात्रों के जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। यह न केवल आपके परिश्रम का उत्सव है, बल्कि आने वाले अवसरों के लिए एक लॉन्चपैड भी है। आईआईएम रायपुर में हम स्वकर्मनिरतः सिद्धिं अर्थात समर्पित कर्म से ही सच्ची उत्कृष्टता प्राप्त होती है, इस मूलमंत्र में विश्वास करते हैं। जैसे-जैसे हम भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं, आईआईएम रायपुर शैक्षणिक उत्कृष्टता, उद्योग के साथ सहयोग और वैश्विक पहुँच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। हम अपने शोध के क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं, प्रभावशाली साझेदारियां बना रहे हैं और ऐसा शैक्षणिक वातावरण तैयार कर रहे हैं, जो केवल नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स तैयार करे।

खुशी से झूम उठे विद्यार्थी

डिग्री मिलने की खुशी विद्यार्थियों के चेहरे पर झलक रही थी। वे खुशी से उछल पड़े। आयोजन के बाद सेल्फी लेने और परिवार के साथ में फोटो खिंचाने में लगे रहे।

Navbharat, 16 April 2025, P.02 (My City).jpg